## अभ्यास पत्रक

**पाठ:** 1 - स्वदेश

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

---

**1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही उत्तर चुनें। (5 अंक)**

**(i) कविता में 'काल-दीप' किसे कहा गया है?**

(क) जलते हुए दीपक को (ख) सूर्य को

(ग) मृत्यु रूपी दीपक को (घ) ज्ञान के दीपक को

**(ii) 'काल-दीप' पर जल जाने के लिए किन्हें तैयार रहना है?**

(क) परवानों को (ख) ज्ञानियों को (ग) राजा-रानी को (घ) माता-पिता को

**(iii) कवि गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही' सरकारी नौकरी के कारण किस उपनाम से लिखते थे?**

(क) सनेही (ख) त्रिशूल (ग) कृषक (घ) राष्ट्रीय

**(iv) कवि के अनुसार "सब कुछ है अपने हाथों में" का क्या अर्थ है?**

(क) हमारे हाथ बहुत शक्तिशाली हैं। (ख) हमारे पास बहुत धन-दौलत है।

(ग) सभी साधन और शक्ति हमारे पास ही हैं। (घ) हमारे हाथ में तोप और तलवार हैं।

**(v) "जो भरा नहीं है भावों से, बहती जिसमें रस-धार नहीं।" - इन पंक्तियों में 'रस-धार' का क्या आशय है?**

(क) नदी की धारा (ख) मीठे रस की धारा

(ग) संवेदनाओं और प्रेम की धारा (घ) खून की धारा

**2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें। (5 अंक)**

(i) कवि ने किस बात को निश्चित और बिना किसी संशय के बताया है?

उत्तर- .....

(ii) कवि ने सांकेतिक रूप से किन दो हथियारों का नाम लिया है?

उत्तर- .....

(iii) कवि के अनुसार जिस पर ज्ञानी भी मर मिटते हैं, वह क्या है?

उत्तर- .....

(iv) कवि ने हृदय में किस चीज का प्यार न होने पर उसे पत्थर कहा है?

उत्तर- .....

(v) 'लासानी' शब्द का क्या अर्थ है?

उत्तर- .....

**3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें। (3 x 2 = 6 अंक)**

(i) "निश्चित है निस्संशय निश्चित, है जान एक दिन जाने को।" - इन पंक्तियों के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहते हैं?

उत्तर- .....

.....

(ii) "सब कुछ है अपने हाथों में, क्या तोप नहीं तलवार नहीं।" - इन पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- .....

.....

(iii) कवि ने देश के नागरिकों को 'राजा-रानी' क्यों कहा है?

उत्तर- .....

.....

**4. निम्नलिखित दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर विस्तार से दें। (4 अंक)**

(i) 'स्वदेश' कविता एक आह्वान गीत है। इस कविता का मूल भाव क्या है और यह देशवासियों को क्या करने के लिए प्रेरित करती है? विस्तार से लिखिए।

उत्तर- .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

## उत्तर कुंजी (वर्कशीट - 2)

**1. बहुविकल्पीय प्रश्न:**

(i) (ग) मृत्यु रूपी दीपक को

(ii) (क) परवानों को

(iii) (ख) त्रिशूल

(iv) (ग) सभी साधन और शक्ति हमारे पास ही हैं।

(v) (ग) संवेदनाओं और प्रेम की धारा

**2. एक वाक्य में उत्तर:**

(i) कवि ने इस बात को निश्चित बताया है कि एक न एक दिन सबकी मृत्यु होनी है।

(ii) कवि ने सांकेतिक रूप से तोप और तलवार का नाम लिया है।

(iii) कवि के अनुसार जिस पर ज्ञानी भी मर मिटते हैं, वह हमारा स्वदेश है।

(iv) कवि ने हृदय में स्वदेश का प्यार न होने पर उसे पत्थर कहा है।

(v) 'लासानी' शब्द का अर्थ है - बेजोड़, लाजवाब या जिसकी कोई तुलना न हो सके।

**3. संक्षिप्त उत्तर:**

(i) इन पंक्तियों के माध्यम से कवि यह संदेश देना चाहते हैं कि मृत्यु एक अटल सत्य है। जब यह निश्चित है कि एक दिन हमें मरना ही है, तो हमें देश के लिए जीने और उस पर बलिदान होने से नहीं डरना चाहिए।

(ii) इन पंक्तियों का आशय है कि देश की उन्नति और रक्षा के लिए आवश्यक सभी साधन और शक्ति हमारे (देशवासियों के) पास ही मौजूद हैं। तोप और तलवार की तरह ही हमारे अंदर भी शक्ति और सामर्थ्य है, बस उसे पहचानने और उपयोग करने की जरूरत है।

(iii) कवि ने देश के नागरिकों को 'राजा-रानी' इसलिए कहा है क्योंकि इस देश के असली स्वामी और अधिकारी यहाँ के नागरिक ही हैं। देश की भूमि, संसाधन और भविष्य सब कुछ उन्हीं का है।

**4. दीर्घ उत्तरीय उत्तर:**

(i) 'स्वदेश' कविता का मूल भाव देश-प्रेम की भावना को जगाना है। यह एक आह्वान गीत है जो देशवासियों को अपने देश के प्रति उनके कर्तव्यों की याद दिलाता है। यह कविता देशवासियों को प्रेरित करती है कि:

- वे अपने हृदय में स्वदेश के प्रति गहरा प्रेम रखें, क्योंकि इसके बिना उनका जीवन निरर्थक है।
- वे साहसी बनें और अपने देश व समाज की उन्नति के लिए कार्य करें।
- वे यह याद रखें कि उनका अस्तित्व इसी देश की मिट्टी, अन्न-जल और परिवेश से है, अतः इसके प्रति कृतज्ञ रहें।
- वे मृत्यु के भय को त्याग दें, क्योंकि मृत्यु निश्चित है। इसलिए देश के लिए बलिदान देने से न डरें।
- वे अपनी आंतरिक शक्ति और सामर्थ्य को पहचानें और देश की प्रगति व रक्षा के लिए एकजुट होकर प्रयास करें। संक्षेप में, यह कविता देशवासियों को भावुकता से निकालकर कर्म, साहस और बलिदान के पथ पर चलने का आह्वान करती है।